हिंडन किसकी सहायक नदी है → Yamuna

◉ **काठियावाड तटीय मैदान** - इसका निर्माण काठियावाड प्रायद्वीप से आने वाली छोटी नदियों द्वारा अवसादीकरण से किया गया है जो कि गुजरात राज्य का तटीय मैदान है।

◉ **कोंकण तटीय मैदान** - दमन से गोवा के मध्य महाराष्ट्र राज्य का तटीय मैदान है।

✓ इस तट के निकट पीरम, भैंसला, एलीफेंटा, हैनरे, कैनरे, बूचर, अरनाला, साल्सेट आदि स्थित हैं।

✓ साल्सेट द्वीप मुंबई नगर स्थित है। साल्सेट भारत का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला द्वीप है।

✓ ऐलीफेंटा की गुफाएं महाराष्ट्र, ऐलीफेंटा जलप्रपात ,, नालय तथा ऐलीफेंटा दर्रा श्रीलंका में है।

★ पश्चिमी तटीय मैदान कर्नाटक में संकरा तथा दक्षिण में अधिक चौड़ा है।

⊙ कन्नड तटीय मैदान - गोवा से न्यू मैंगलौर के मध्य

→ मुख्य रूप से कर्नाटक राज्य का तटीय मैदान है।

⊙ मालाबार तटीय मैदान - न्यू मैंगलौर से कन्याकुमारी के मध्य तटीय मैदान

→ भारत में सर्वाधिक लैगून पायी जाती है, जिन्हे स्थानीय भाषा में कयाल कहा जाता है। यहां अष्टमुडी, पुन्नमदा व वेबनाड प्रसिद्ध लैगून हैं।

→ यहां रेत में मोनोजाइट के निक्षेप पाए जाते हैं, जो कि थोरियम का अयस्क है।

→ इसी मैदान से भारत की मुख्य भूमि पर दक्षिणी-पश्चिमी मानसून या ग्रीष्मकालीन मानसून का प्रवेश होता है।

पूर्वी तटीय मैदान :- पश्चिम बंगाल से कन्याकुमारी के मध्य लगभग 1100 KM लंबा तटीय मैदान है जिसकी औसत चौड़ाई 100-150KM तक मिलती है।

→ यह पश्चिमी तट की तुलना में कम कटा-फटा है तथा यहाँ नदियों द्वारा बड़े डेल्टाओं का निर्माण भी किया जाता है अतः यहां अच्छे बंदरगाहों का विकास नहीं हुआ है।

पूर्वी तटीय मैदान

- उत्तरी सर्कार तटीय मैदान
  - ↳ स्वर्णरेखा से कृष्णा नदी के मध्य
- कोरोमंडल तटीय मैदान
  - → कृष्णा नदी से कन्याकुमारी के मध्य

⊙ उत्कल तटीय मैदान - उड़ीसा राज्य का तटीय मैदान है।

→ इस पर स्थित चिल्का लैगून भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की झील है।

⊙ आंध्रा तटीय मैदान - इस तट का निर्माण गोदावरी व कृष्णा नदी के अवसादों से हुआ है। इसके दक्षिणी भाग में पुलीकट झील स्थित है।

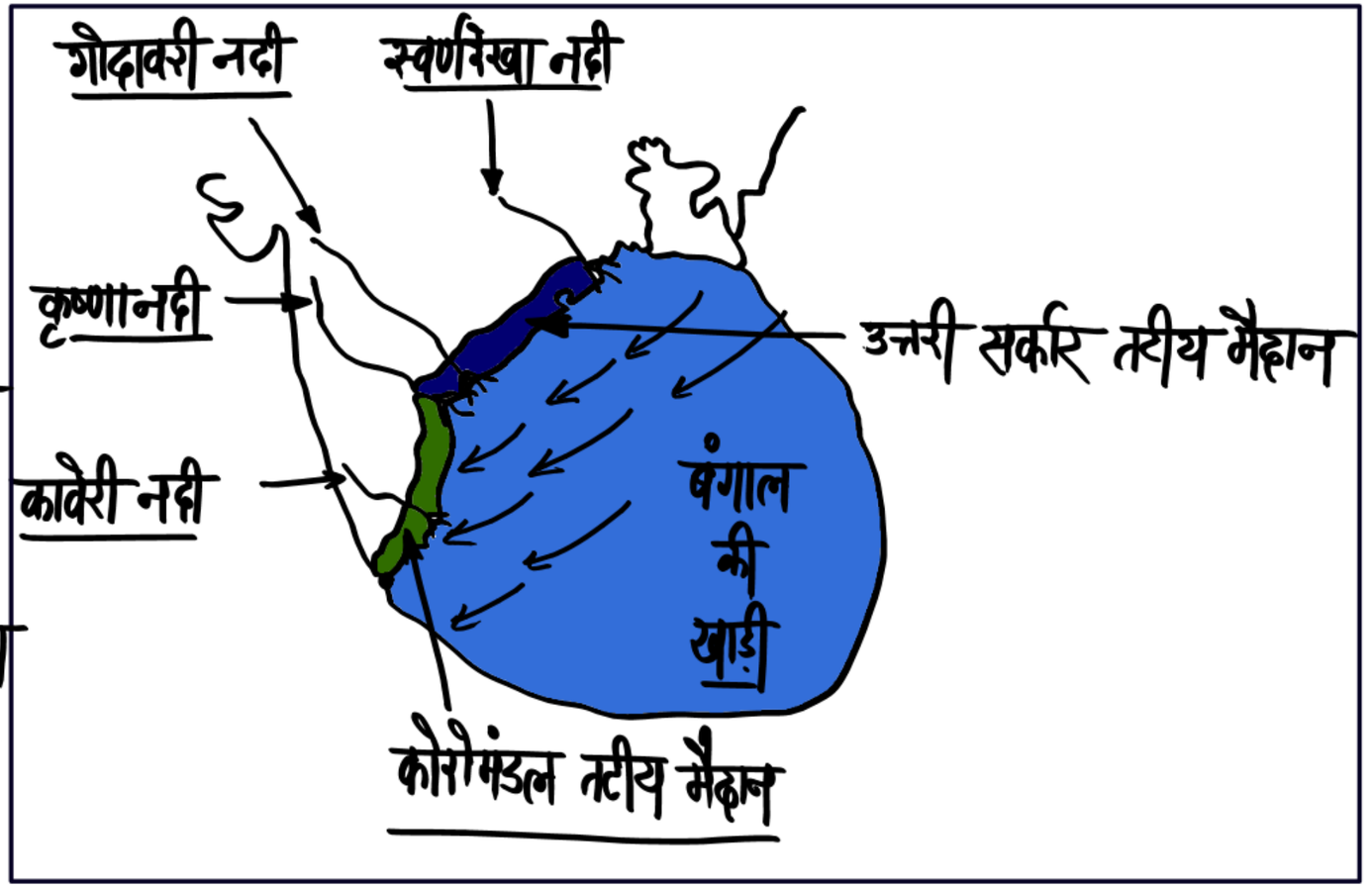

Imp:→ आंध्रा तट के साथ कोरिंगा की खाड़ी संलग्न है जो कि मोती उत्पादन हेतु प्रसिद्ध है।

⊙ कृष्णा-गोदावरी के मध्य तटीय मैदान को काकीनाड़ा तटीय मैदान कहा जाता है।

⊙. कोरोमंडल तटीय मैदान – कृष्णा से कन्याकुमारी के मध्य का तटीय मैदान।

→ इस तटीय भाग में लौटता हुआ मानसून या शीतकालीन मानसून से वर्षा प्राप्त होती है।

→ यहां कावेरी नदी डेल्टा का निर्माण करती है जिसे दक्षिण भारत का अन्न का कटोरा कहा जाता है।

ऊर्जा के परंपरागत स्रोत

खनिज तेल

लाभ	हानि
• आसानी से परिवहनीय (टैंकर) • पैट्रो-रसायन उद्योग का आधार	• तेल अधिप्लावन एवं गैस रिसाव के कारण ऑक्सीजन का अवक्षय • निर्मुक्त प्रदूषक के कारण अम्ल वर्षा • नये ईंधन का अन्वेषण आसान नहीं

प्राकृतिक गैस

लाभ
• आसानी से परिवहनीय (पाइपलाइन) • तेल और कोयले से अधिक स्वच्छ • तेल से सस्ता

ईंधन

लाभ	हानि
• सुप्राप्य • बहुसंख्यक लोगों को ऊर्जा प्रदान करता है	• संग्रहण में अधिक समय उपयोग • प्रदूषण फैलाने वाला • हरित गृह प्रभाव में वृद्धि करता है • निर्वनीकरण

कोयला

लाभ	हानि
• विस्तृत रूप से उपलब्ध • विद्युत रूपांतरण के लिए उपर्युक्त	• प्रदूषण का स्रोत • परिवहन के लिए भारी

जल-विद्युत

लाभ	हानि
• प्रदूषण मुक्त • सिंचाई और मत्स्यन को बढ़ावा देता है • सस्ता	• स्थानीय समुदाय का विस्थापन • निम्न क्षेत्रों का जलप्लावन • स्थापित करने में खर्चीला

चित्र 3.8: ऊर्जा के परंपरागत स्रोत

© NCERT not to be republished